सिक्ख धर्म

1. गुरु नानक देव जी :– संस्थापक Guru Nanak Dev Ji :- Founder

- जन्म :– 15 अप्रैल 1469
  Born: 15 April 1469
  कार्तिक पूर्णिमा के दिन
  On the day of Kartik Purnima
- जन्मस्थान – तलवंडी (अब – ननकाना साहेब के रूप में जाना जाता है।)
  Birthplace - Talwandi (now known as Nankana Saheb.)
  लाहौर (पाक)
- मृत्यु :– 1539 Death: - 1539
- करतारपुर नगर इन्होंने ही बसाया Kartarpur Nagar they settled
  पंजाब
- संगत और पंगत (लंगर व्यवस्था) को शुरू की!
  Started Sangat and Pangat (langar system)!
  जमीन पर बैठकर भोजन ग्रहण करना।
- पुस्तक – जपुजी Book - Japuji

2. गुरु अंगद देव (1539–1552) Guru Angad Dev (1539–1552)

- गुरु नानक जी के शिष्य
  Disciples of Guru Nanak
- बचपन का नाम – 'लहना'
  Childhood name - 'Lahna'
- गुरुमुखी लिपी के जनक
  Father of Gurmukhi script
- लंगर व्यवस्था को स्थायी किया Fixed the langar system
- पंजाबी भाषा का प्रचार प्रसार किया
  Spread the propaganda of Punjabi language

Imp

3. गुरु अमरदास (1552–1574) Guru Amardas (1552-1574)

सती प्रथा का विरोध, अन्तर्जातीय विवाह व विधवा विवाह को बढ़ावा।

Opposition to sati practice, promotion of inter-caste marriage and widow remarriage.

4. गुरु रामदास (1574–1581)

- अमृत सरोवर की स्थापना (1577)
  Establishment of Amrit Sarovar (1577)
- पंजाब का 1 वर्ष का लगान अकबर ने माफ किया!
  Akbar waived Punjab's 1 year rent!
- अकबर ने 500 बीघा जमीन दिए – बीबी भीनी को
  Akbar gave 500 bighas of land - to Bibi Bhini

5. गुरु अर्जुनदेव (1581--1606) – हत्या कराई :– जहाँगीर ने

Murdered by :- Jahangir

आदिग्रंथ की रचना की।

Composed the Adigranth.

सच्चा बादशाह उपाधि → फारसी

rightful title

- हरमंदिर साहिब का निर्माण – (नींव : सूफी संत – "मिया मीर")

Construction of Harmandir Sahib - (Foundation: Sufi Saint - "Miya Mir")

सोने की परत → अर्जुनदेव

स्वर्ण मन्दिर → (Golden temple) → अमृतसर (पंजाब)

6. हरगोविंद सिंह (1606–1645)

- सिक्खों को योद्धा रुप प्रदान किया।
  Sikhs were given warrior form.

- 1628 में शाहजहाँ की मुगल सेना को पराजित किया!
  Defeated the Mughal army of Shah Jahan in 1628.

- अकाल तख्त का निर्माण करवाया!
  Got the Akal Takht constructed!

Imp

7. गुरु हरराय (1645–1661)

- दारशिकोह की मदद की Helped Darshikoh

मुगल

8. गुरु हरकिशन (1661–64)

- 5 वर्ष की अवस्था में गुरु बनें।
  Become a Guru at the age of 5 years.
- चेचक से मृत्यु हुयी।
  Died of smallpox.

9. गुरु तेगबहादुर (1664–1675)

- "हिन्द की चादर" "Hind's sheet"
  Chadar of hind
- औरंगजेब ने हत्या करायी Aurangzeb got the murder done!
- शीशगंज गुरुद्वारा पर शहादत Martyrdom at Shishganj Gurudwara
  दिल्ली

10. गुरु गोविन्द सिंह (1675–1708)

जन्म : 1666 (पटना)

ककार

- कंघा
- कच्छा
- केश
- कड़ा
- कृपाण

- खालसा पंथ की स्थापना (गुरु प्रथा को खत्म कर दिया गया)
  Establishment of Khalsa Panth (Abolition of Guru system)
- "गुरु ग्रंथ साहिब है वही अगला गुरु है।
  "Guru Granth Sahib is the next Guru.
- नादेड़ (महाराष्ट्र) में एक पठान ने इनकी हत्या कर दी!
  He was killed by a Pathan in Naded (Maharashtra).
- रचना :– 'जफरनामा' Composition :- 'Zafarnama'
- हुक्मनामा जारी – सिक्खों का अगला नेता बंदासिंह बहादुर होगा।
  Order issued - Banda Singh Bahadur will be the next leader of the Sikhs.

अन्य नाम – "लक्ष्मण दास"

- बंदासिंह बहादुर (1708) – कमांडर

गुरु : जानकी दास बैरागी Guru: Janki Das Bairagi

नाम बदल कर – माधो दास बैरागी।

Name changed to Madho Das Bairagi.

- राजधानी – लोहरगढ़ Capital – Lohargarh
- फर्रुखशियर ने पंजाब को घेरने का आदेश दे दिया।

मुगल शासक Farrukhshiar ordered to besiege Punjab.

- 1715 में आत्मसमर्पण किया Surrendered in 1715
  - 796 सिक्खों Sikhs के साथ
  - 16 जून 1716 : शरीर के टुकड़े– टुकड़े।

June 16, 1716: Pieces of the body.

चमकौर का युद्ध – 1704

नेतृत्व : जस्सा सिंह Leadership: Jassa Singh

12 दल बने (मिसल नाम से)

12 teams were formed (by the name of Missal).

"रणजीत सिंह" (1798 में)

"Ranjit Singh" (in 1798)

लाहौर के शासक बने।

Became the ruler of Lahore.

रणजीत सिंह

1801 में महाराजा की उपाधि धारण की।

He assumed the title of Maharaja in 1801.

- लाहौर की संधि : 25 अप्रैल 1809

Treaty of Lahor: 25 April 1809

- अमृतसर – Sign (हस्ताक्षर) चार्ल्स मेटकॉफ

Amritsar - Charles Matcof

सतलज के पूर्वी हिस्सा EIC (East India Company) का होगा।

The eastern part of the Sutlej will belong to the EIC.

- रणजीत सिंह की मृत्यु – 1839

  Death of Ranjit Singh - 1839

  तीन बेटें: 1. खडग सिंह **Khadag Singh** (1839–40)

  2. शेर सिंह **Sher Singh** (1840–42)

  3. दिलीप सिंह **Dilip Singh** (1843–49)

  ↳की संरक्षिका : माता जिंद कौर''

  Patron of: Mata Jind Kaur

1845–46 – पहला आंग्ल सिक्ख युद्ध

1845-46 - First Anglo-Sikh War

सिक्ख पराजित हुए। **The Sikhs were defeated.**

दिलीप को महाराज घोषित किया।
Dilip was declared Maharaj.

- लाहौर की संधि – 09 मार्च 1846

1 साल अंग्रेजी सेना रहेगी।
English army will remain for one year.

- **भैंरोवाल की संधि** – 22 दिसंबर 1846

विश्वास घात किया''
लाल सिंह
तेजसिंह

- अंग्रेजी सेना अब यही रहेगी।
  The English army will remain the same now.
- 8 लोगों की मंत्रीपरिषद बनाई गई
  Council of Ministers made of 8 people
- विरोध किया – जिंद कौर ने, लेकिन उन्हे शेखपुर भेज दिया गया।
  Protested by - Jind Kaur, but she was sent to Sheikhpur.

- **IInd आंग्ल सिक्ख युद्ध – (1848–49)**
  - शेर सिंह Vs गफ (अंग्रेज)

    Sher Singh Teghuff (English)

    चिलियॉ वाला युद्ध जीते।

    Won the Battle of Chile.